



सरकारी गजट, उत्तरांचल

उत्तरांचल सरकार द्वारा प्रकाशित

असाधारण

विधायी परिशिष्ट

भाग-4, खण्ड (क)
(सामान्य परिनियम नियम)

देहरादून, सोमवार, 26 अगस्त, 2002 ई०

भाद्रपद 04, 1924 शक सम्वत्

उत्तरांचल शासन

पेयजल अनुभाग

संख्या 2083/नी-2-(41 अधि०)/2002

देहरादून, 26 अगस्त, 2002

अधिसूचना

सा० प० नि०-026

चूंकि, राज्य सरकार की शाय में कुमायूँ और गढ़वाल परिक्षेत्र में जल सम्भरण और सीवर व्यवस्था सम्बन्धी सेवाओं में एकरूपता एवं सुधार की दृष्टि से उक्त क्षेत्रों के लिये गठित गढ़वाल परिक्षेत्र जल संस्थान और कुमायूँ परिक्षेत्र जल संस्थान को आभेतिता कर "उत्तरांचल जल संस्थान" के नाम से निकाय गठित करना अपेक्षित है, तथा, चूंकि, उत्तर प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2000 (अधिनियम संख्या 29, सन् 2000) की धारा 86 के अधीन उत्तर प्रदेश जल सम्भरण तथा सीवर व्यवस्था अधिनियम, 1975 उत्तरांचल राज्य में भी यथावत् लागू है, अतएव उत्तर प्रदेश जल सम्भरण एवं सीवर व्यवस्था अधिनियम, 1975 (उ०प्र० अधिनियम संख्या 43, सन् 1975) की धारा 18 की उपधारा (1), (2), (3), (6) एवं उपधारा (8) की उपधारा (ग) व (घ) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके श्री राज्यपाल "कुमायूँ परिक्षेत्र जल संस्थान" एवं "गढ़वाल परिक्षेत्र जल संस्थान" को आभेतिता कर इस अधिसूचना के निर्गत होने के तिथि से "उत्तरांचल जल संस्थान" नामक निकाय गठित करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं और यह विनिर्दिष्ट करते हैं कि उक्त जल संस्थान की उत्तरांचल राज्य के सम्पूर्ण क्षेत्र की जल सम्भरण एवं सीवर व्यवस्था पर अधिकारिता होगी और मुख्यालय देहरादून में होगा।

आज्ञा से,
(पी० के० महान्ति)
सचिव।